

**RE. PRIVILEGE MOTION  
NOTICE AGAINST THE HOME  
MINISTER**

**श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश):** प्रिविलेज मोशन नोटिस, गृह मंत्री जी का जो सदन में बयान हुआ है, उस मिलसिले में मैं दे चुका हूँ... (Interruptions) मैंने पहले भी सदन में निवेदन किया था। इस सदन में स्पीकर डाइरेक्शन जैसा कोई कायदा कानून नहीं है... (Interruptions) मेरी आपत्ति यह है कि अद्वैत से ज्यादा समान आप गृह मंत्री जी को दे रहे हैं। आपने उनसे सफाई मांगी, आज तक 8 दिन हो चुके हैं उन्होंने सफाई नहीं दी। आज भी मैंने सभापति महोदय को उत्तर प्रदेश असेम्बली में उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री का जो बयान हुआ है वह दिया है, उसमें उन्होंने माना है कि मेडिकल रिपोर्ट में रोकता संभावना है। तो मेरा यही निवेदन है कि इस मामले पर उनको आप सफाई के लिए बार बार टाईम देते रहे हैं। यह बहुत अनुचित है। मैं आपसे निवेदन करता हूँ जो मेरा प्रिविलेज मोशन है चूंकि उन्होंने जानबूझकर सदन को गुमराह किया है, मेरे नोटिस के बाद जब सभापति जी ने उनके पास वह बात भेजी तब भी उन्होंने अपने बयान में कोई तबदीली नहीं की, न किसी तरह का खेद प्रकटित किया। इसलिए मेरा निवेदन है कि मुझे अपना नोटिस सूब कराने की इजाजत दी जाय। यही मैं आपसे कहना चाहता हूँ।

**श्री उपसभापति :** इस प्रश्न पर आपने जो बात कही सभापति जी विचार कर रहे हैं और उन्होंने जो आपने बयान दिया था और जो रिपोर्ट दी थी, वह गृह मंत्री जी के पास भेजी है। बताया गया है कि गृह मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश सरकार से इस बारे में जानकारी हासिल की है और ज्यों ही उन्हें ये सूचनाएं प्राप्त हो जायेंगी,

इस पर सभापति जी कोई निर्णय करेंगे... (Interruptions) इसलिए मैं समझता हूँ कि इस

पर जबकोई निर्णय होगा... (Interruption)

सभापति जी निर्णय कर लेंगे... (Interruptions)

**श्री सत्यपाल मलिक :** दिव्यत यह है कि आज से वास्तव में न्यायिक जांच के लिए आयोग बैठाया गया है... (Interruptions)

**श्री उपसभापति :** सदन की कार्यवाही दो बजे तक में लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch at three minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at three minutes past two of the clock **Mr. Deputy Chairman** in the Chair.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Mr. Era Sezhiyan.

**श्री रुदाशिव बागाईतकर (महाराष्ट्र):** उपसभापति जी, मैं एब मिनट में दरदरथा का प्रश्न आपके सामने रखना चाहता हूँ। आपने जब सदन को मुलतवी बिरा, उस समय मैं सवाल उठाने के लिए खड़ा था। हम इतनी तो उम्मीद जरूर करेंगे कि हम लोगों के लिए इतनी तो बर्तसी हो कि अगर हम खड़े हैं, तो आप हमारी बात सुन लें। जिस समय मैं खड़ा था, आपने मुलतवी कर दिया।

**श्री उपसभापति :** मैंने नहीं देखा कि आप खड़े हैं।

**श्री रुदाशिव बागाईतकर :** और आप सदन को मुलतवी करके चले गये। तो हम का करें। दरदरथा वा मेरा प्रश्न यह है कि आपके सामने प्रिविलेज

[श्री सदाशिव बागडिकर]

कारे में, जो चेयरमैन के सामने था, वह आपने पढ़ कर सुनाया। जो रूप है उसका, मेरी समझ में यह है कि प्रिविलेज मोशन में एक किस्म की गंजेसी होती है सेंचर करने की। उसकी तारीख तय करने में आप भले ही मंत्री जो से पूछे जो उनको अनुकूल समझें। उसके लिए जो समय लगे, वह बात जो मैं समझता हूँ बुनियादी तौर पर बात यह है कि एक मामले पर जब आपके पास प्रिविलेज मोशन पहुँच गया है तो एक हफ्ते तक आप... अब जब उसके बारे में पहुँच गया है, तो एक हफ्ते तक आप... कारे में पुष्टि हो गई है, तो उसका फैसला भी आप नहीं करोगे, उसके ऊपर चर्चा करने को जो भी तारीख तय करनी है, तो इसलिए मुझे यह लग रहा है कि आप इसके लिए सोचें और इसको व्यवस्था दें... कि क्या प्रिविलेज मोशन पर फैसला दें। रूप में उत्पन्न नहीं होगा मैं मानता हूँ लेकिन क्या उसमें अर्जेन्सी नहीं होती है। खास कर जिस विषय को उठाया गया है मैं समझता हूँ उसके ऊपर बहुत जल्द फैसला आप को देना चाहिए वरना उसकी सारी गरिमा खत्म हो जाती है जो ठीक नहीं है।

श्री उपसभापति : एक तो पहली बात मैं कहना चाहता हूँ कि जब मैंने सदन स्थापित किया उस समय मैंने यह नहीं देखा कि आप कोई और प्वाइन्ट ऑफ ऑर्डर रोज़ करना चाहते हैं। जो बात उठाई गई है उस का उत्तर मैं दे चुका हूँ। दूसरी बात, कि जो प्रिविलेज का प्रश्न उठाया गया है उस के लिए मैंने बताया है कि यह गृह मंत्री के पास जो भी सूचना मानवीय सदस्य की तरफ से आई,

भेज दी गई और उस का स्पष्टीकरण मांगा गया है। आप इस बात को अनुभव करेंगे कि वह राज्य सरकार ने संबंध रखता है इसलिए वहाँ से जाने में थोड़ी देर हो सकती है। मैं आशा करता हूँ समय त आइएगा शीघ्र निर्णय देगे और मैंने प्रस्तावित भी नहीं पढ़ा।

#### DISCUSSION ON THE WORKING OF THE MINISTRY OF PLANNING

SHRI ERA SEZHIYAN (Tamil Nadu): Sir, I am thankful for the opportunity given to me for initiating the discussion on the working of the Ministry of Planning. Planning is an important process by which we set out to attain the goals of social and economic justice through the national programme based upon scientific assessment of needs and resources. Planning has been there for about three decades in this country. It is high time that serious thought on the process of planning itself is bestowed. I feel that it is high time that some planning has to be done on planning itself.

One cannot deny significant achievements made by planning. Average life expectancy has gone up from 32 to 46 years. Smallpox has been eradicated. Epidemic diseases have been controlled. Enrolment in the elementary level of education has increased from 32 to 69 per cent and at secondary level it has gone up from 5 to 25 per cent.

Benefits have accrued, but the question is whether the benefits accrued due to planning have been equitably distributed. This morning there was a question about the poverty line and the statistics show that the percentage of those below the poverty line has been steadily increasing. Through the years of planning, the gap between the rich and the